

महासंपर्क अभियान को लेकर भाजपा बर्डपुर मंडल की बैठक हुई आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश पूर्ण कर रही है। पिछले 9 वर्षों सम्मेलन, विकास तीर्थ लोकन, बर्डपुर, सिद्धर्थनगर। भारतीय में मोदी सरकार ने अद्वितीय वरिष्ठ कार्यकर्ता बैठक, मोर्चा

पूर्ण कर रही है। पिछले 9 वर्षों सम्मेलन, विकास तीर्थ लोकन,

कार्यकर्ताओं से प्रत्येक कार्यक्रम बहुमत की सरकार बनाकर देश को सूचीबद्ध करते हुए सफल की जनता के यह सिद्ध कर 2

नार्यों को गिनाते हुए आगामी 2024 के चुनाव में एक बार पुनः

टीम द्वारा अंग वस्त्र भेंट कर जायसवाल, पवन पाठक, राजेंद्र सम्मानित किया गया। जिनमें विश्वकर्मा, विवेक गोस्वामी,



जनता पार्टी बर्डपुर मंडल के कार्यसमिति की बैठक बुधवार को नगर के आदर्श लघु माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में मंडल अध्यक्ष नितेश पाण्डेय की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक का संचालन महामंत्री अभिषेक कसौधन ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि मंडल प्रभारी सिद्धार्थ पाठक ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार सफलतम नवर्वर्ष उपलब्धियों को हासिल किया है। जिसको लेकर पार्टी आगामी 30 मई से 30 जून तक महासंपर्क अभियान चलाकर विभिन्न कार्यक्रम के माध्यम से कार्यकर्ता जनसंपर्क कर समाज के प्रत्येक वर्ग के बीच मोदी योगी सरकार की उपलब्धियों को बताएंगे। उक्त अभियान के क्रम में जहां एक तरफ पार्टी लोकसभा एवं विधानसभा स्तर पर प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन, व्यापारी सम्मेलन, सोशल मीडिया वालंटियर

आयोजन की अपील किया। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डुमरियांगंज सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के देव तुल्य कार्यकर्ता पदाधिकारी एवं देश की महान जनता के आशीर्वाद से 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद देश की दिशा और दशा में आमूलचूल परिवर्तन हुए हैं वहीं 2019 में भी केंद्र की पूर्ण दिया की नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ही इस देश की सुरक्षा और सबका साथ सबका विकास संभव है। जिसका परिणाम है कि आज हमारा देश विश्व के सर्वोच्च निर्णायक भूमिका में अग्रणी हुआ है वही आज पूरी दुनिया में आदरणीय नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का सम्मान बढ़ रहा है। आज भारत की संस्कृति, शक्ति तथा पराक्रम एवं वैभव का पूरी दुनिया लोहा मान रहा है उन्हींने मोदी योगी सरकार के विकास

वानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व
पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने
के लिए लेकर कार्यकर्ताओं से पूर्ण
त्प्रता से महासंपर्क अभियान
गति देने की अपील की
स दौरान बैठक को जिला मंत्री
जय उपाध्याय, वरिष्ठ नेत्री
जकुमारी पाण्डेय आदि ने संबोध
किया। वहीं बैठक के अंत में
ल ही में हुए निकाय चुनाव
नगर पंचायत कपिलवस्तु
उरतीय जनता पार्टी से विजयी
सभासदगणों को मंडल के

अंबेडकर नगर से तारामती देवी, गांधीनगर से दिलीप कनौजिया, शुद्धोदन नगर से बबुनी गिरी, अटल नगर से राजकुमार चौधरी, सरोजनी नगर से सतीश जायसवाल, अग्रसेन नगर से दिनेश यादव को अंगवस्त्र भेट कर सम्मानित किया गया। उक्त बैठक में फूलचन्द्र जयसवाल, अम्बरीष जयसवाल, अमित उपाध्याय, सबलू साहनी, बृजेश सिंह, राजकमल जयसवाल, चंद्रप्रकाश द्विवेदी, किशोरी लाल गंगाराम प्रजापति, पवन पाठक, मोहन चौधरी, प्रताप चौरसिया, सर्वजीत चौधरी, अश्विनी गोस्वामी, चंद्रावती देवी, आशीष मिश्रा, सुभावती विश्वकर्मा, राजकुमार मोदनवाल, घनश्याम गिरी, विनय राव, प्रतिमा दुबे, रामसेवक पासवान, आलोक श्रीवास्तव, गंगाराम प्रजापति, अर्जुन शर्मा सहित बूथ अध्यक्ष, शक्ति केंद्र संयोजक एवं प्रभारी, मंडल पदाधिकारी सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

किसी भी योजना के पात्र लाभार्थी को अनावश्यक परेशान न किया जाये: सांसद जगदम्बिका पाल



दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। डी.एल.आर.
सी. एवं डी.सी.सी. बैंकिंग कार्यों
की समीक्षा बैठक सांसद
डुमरियांग जगदम्बिका पाल की
अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधि-
कारी जयेन्द्र कुमार की उपस्थिति
में कलेकट्रेट सभागार में सम्पन्न
हुई। बैठक की अध्यक्षता करते
हुए सांसद डुमरियांग ज
जगदम्बिका पाल ने वार्षिक ऋण
योजनान्तर्गत आवंटित लक्ष्य के
सापेक्ष प्रगति कम होने एवं पीएम
स्वनिधि योजना के लाभार्थियों
के लोन के प्रकरण कम स्वीकृ-
त होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त
करते हुये लीड बैंक अधिकारी
एवं सभी शाखा प्रबन्धकों को

निर्देश देते हुए कहा कि ने वार्षिक
ऋण योजनान्तर्गत आवंटित लक्ष्य
को शत-प्रतिशत पूर्ण करें एवं
पीएम स्वनिधि योजना के
लाभार्थियों के लोन प्राथमिकता
के आधार पर स्वीकृत किया
जाये। किसान क्रेडिट कार्ड के
प्रकरण भी शीघ्र स्वीकृत किया
जाये। किसी भी योजना के पात्र
लाभार्थी को अनावश्यक परेशान
न किया जाये। फसलों की
क्षतिपूर्ति का भुगतान किसानों
को शीघ्र कराने का निर्देश दिया
गया। सांसद ने सी०डी० रेसियों
बढ़ाने का निर्देश दिया। इन्वेस्टर
समिट के दौरान जनपद में
निवेश करने वाले उद्यमियों का
सहयोग करते हुए उनका भी

ऋण स्वीकृत किया जाये। मुख्य
विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार
ने जानकारी देते हुए बताया
कि त्रैमास मार्च वित्तीय वर्ष
2022-23 की वार्षिक ऋण
योजनान्तर्गत बैंकों को आवंटित
वित्तीय लक्ष्य रु० 390706.36
लाख के सापेक्ष रु० 295859.
17 लाख की उपलब्धि रही जो
कुल आवंटित लक्ष्य का 75.72
प्रतिशत है। राष्ट्रीय ग्रामीण
आजीविका मिशन योजना के
अन्तर्गत त्रैमास मार्च 2022-23
में समूह का खाता खोलने का
वार्षिक लक्ष्य 1856 के सापेक्ष
पूर्ति 1581 है एवं सीसीएल लक्ष्य
3093 के सापेक्ष 3187
पत्रावलिया बैंक को प्रेषित की

गयी जिसके सापेक्ष 2453 समूहों को सी.सी.एल. स्वीकृत किया गया। प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर योजना के अन्तर्गत मार्च 2023 तक लक्ष्य 2306 के सापेक्ष अब तक कुल 4419 स्वीकृत एवं 4378 का वितरण विभिन्न बैंकों द्वारा किया गया है। किसान क्रेडिट कार्ड योजना अन्तर्गत शासन से प्राप्त भौतिक लक्ष्य नवीनीकरण हेतु 109128 एवं नया 67835 कुल भौतिक लक्ष्य 176963 के सापेक्ष कृषि विभाग से प्राप्त डाटा के अनुसार वित्तीय वर्ष 2022-23 की समाप्ति तक शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण कर लिया गया है। किसान क्रेडिट कार्ड से 337293 कृषकों को लाभान्वित किया गया है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अन्तर्गत एस.एल.बी.सी. लखनऊ से प्राप्त डाटा के अनुसार त्रैमास मार्च वित्तीय वर्ष 2022-23 की समाप्ति तक प्राप्त कुल आवेदन पत्र 33061 के सापेक्ष रु 279.13 करोड़ स्वीकृतधरित किया गया है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत युनिवर्सल सोम्पो जनरल इश्योरेंस कम्पनी लि० द्वारा फसल बीमा किया जा रहा है। रवी 2022 फसल हेतु कुल 37212 किसानों के बीमा हेतु रु 2.58 करोड़ का प्रीमियम प्राप्त हुआ है। खरीफ 2022 सीजन में बीमा कम्पनी द्वारा 17063 कृषकों को कुल रु. 34.

2 करोड़ के सापेक्ष 14338 लासानों के मध्य कुल रु0 28 करोड़ की धनराशि का भुगतान प्रदर्शित किया गया है शेष धनराशि अकाउन्ट वेरीफिकेशन के द्वारा श्वात डीबीटी के माध्यम से भुगतान शीघ्र ही कर दिया जायेगा। इस बैठक में उपरोक्त अतिरिक्त जिला विकास अभियानी शेषमणि सिंह, लीड बैंक अधिकारी आर0के0सिन्हा और सीएनआरएलएम योगेन्द्र लाल चौधरी, जिला कृषि अधिकारी और पी0पी0सिंह, मुख्य प्रबन्धक अपरतीय स्टेट बैंक, शाखा प्रबन्धक नौगढ़, समस्त बैंकों के शाखाएँ बन्धक एवं अन्य अधिकारी परिस्थित रहे।

आंधी में छत पर सो रही महिला पर दीवार
गिर गई, मौके पर महिला की मौत हो गई

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के सोरहिया गांव में बीती रात आई आंधी में छत पर सो रही महिला पर दीवार गिर गई। इससे महिला की मौत हो गई। जबकि घटना में एक बच्चा और युवक जखी भी हो गए। घायलों का शोहरतगढ़ सीएचसी में इलाज कराया जा रह है। पुलिस ने शव का पंचनामा करके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना से गांव में शोक का माहौल है। बताते हैं कि क्षेत्र के सोरहिया निवासी चंद्रावती देवी (२५), विक्की (२५) प्रिंस (३२) पुत्र गुड़ू रात ९ बजे खाना खाने के बाद छत पर सोने गए थे। मंगलवार रात १२ बजे के बाद अचानक तेज आंधी में छत से सटे से दूसरे के छत पर बनी दीवार तेज हवा के कारण सो रहे तीनों के ऊपर गिर गई। हादसे में मलबे में दबकर चंद्रावती मौत हो गई। विक्की व प्रिंस घायल हो गए। परिजन की रोने बिलखने की आवाज सुनकर आसपास के पड़ोसी इकट्ठा हो गए। घायल विक्की व प्रिंस को शोहरतगढ़ सीएचसी इलाज के लिए भेजकर प्रिंस को सज्जना दी। मौतके पापुलिस पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर लिखा पढ़ी कर शव का पंचनामा किया। चंद्रावती की मौत से गांव में मातम छाया हुआ है। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस संबंध थानाध्यक्ष पंक पांडेय ने बताया कि दीवार के नीचे दबकर बृद्ध की मौत हुई। आगे की कार्रवाई की जा रही है। वहीं, तहसीलदार राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि हल्का लेखपाल से जांच करवाई गई। आपदा राहत कोष से मृतक के परिजनों को आर्थिक मदद दिनार्पंजामी।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला पेयजल एवं स्वच्छता समिति की बैठक सम्पन्न

कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

महा संपर्क आभ्येयान के लिए भाजपा की तैयारी बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश
बांसी, सिद्धार्थनगर। भाजपा मिठवल मण्डल ने महासंपर्क अभियान



की आहूत तैयारी बैठक डिंडर्ड स्थित डा० दशरथ चौधरी कालेज
आफ फार्मसी पर बुधवार को संपन्न हुई। भाजपा मिठवल मंडल
के अध्यक्ष रमेश धर द्विवेदी की अध्यक्षता में बुलाई गई बैठक के
मुख्य अतिथि व मंडल प्रभारी दिलीप चतुर्वेदी ने आगामी 30 मई
से लेकर 30 जून तक चलने वाले महासंपर्क अभियान के कार्यक्रम
पर चर्चा किया गया। उन्होंने मोदी सरकार के सकुशल नौ वर्ष
पूर्ण होने पर पार्टी द्वारा चलाए जा रहे महा सम्पर्क अभियान को
सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को विस्तार से समझाया।
कार्यक्रम के अन्त में चतुर्वेदी ने उपस्थित सभी से पार्टी द्वारा
चलाए जा रहे महा सम्पर्क अभियान को सफल बनाने का आहवान
करते हुए लोगों को यथा योग्य जिम्मेदारी भी सौंपी। बतौर विशिष्ट
अतिथि कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष नीरज मणि त्रिपाठी भी मौजूद
रहे। कार्यक्रम में राजेन्द्र तिवारी, वीरेन्द्र राव, संजय गौतम, वीरेन्द्र
तिवारी, ज्ञानेन्द्र मिश्रा, दिनेश गुप्ता, दीपचन्द जायसवाल, विक्रमा
तिवारी, दिनेश चौधरी, राम प्रवेश पाण्डेय, संजय चौरसिया, आदि
एवं उनकी संस्थाएँ तथा सर्वार्थी ने भी सहायिता की।



सम्पादकीय

इस बात को लगता है सरकार ने समझाया तभी उन्हें इस पद से हटाया भी गया। इस वदलाव में एक खास बात यह रही कि मेधवाल जिस राज्य राजस्थान से आते हैं वहाँ इस साल के अंत तक विदानसभा चुनाव होने हैं। राजस्थान में वसुंधरा राजे सिंधिया के नेतृत्व को लेकर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व में मतभिन्नता रही है...

केन्द्रीय कानून मंत्री किरण रिजिजू को न्यायपालिका से जुबानी जंग की कीमत चुकानी पड़ी। न्यायपालिका और कॉलेजियम सिस्टम पर आक्रामक रुख अखिलयार करने वाले रिजिजू के चलते सरकार भी असहज थी। इससे पहले कोई भी राजनेता या मंत्री न्यायपालिका को लेकर इतना तल्ख नहीं रहा। किरण को फिलहाल पृथ्वी विज्ञान मंत्री बनाया गया है और उनकी जगह अर्जुन राम मेधवाल को कानून मंत्रालय का स्वतंत्र प्रभार सौंपा गया है। कानून मंत्री का पदभार संभालने के बाद मेधवाल का बयान कि श्न्यायपालिका और सरकार में कोई मतभेद नहीं है, बल्कि दोनों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध हैं। संविधान में सवकी अपनी सीमाएं हैं और उसी के हिसाब से काम होता है। अशय साफ है कि सरकार और न्यायपालिका के बीच रिश्तों में कसैलापन था। रिजिजू जिस तरह बिना लाग-लपेट के कॉलेजियम सिस्टम की बखिया उधेड़ते रहे, उससे एक बात तो साफ दूरियां दिखती थी। कभी जजों की नियुक्ति प्रक्रिया को शॉकल जज सिंट्रोमेश करार देना हो या शकु ऐसे बयानों को कानून मंत्री के तौर पर किसी भी तरह र



राजनीति से दूर पर रखने विचाल इस नामले ने रखा है। चयन हो सकते हैं क्योंकि उनका भारतीय प्रशासनिक अधिकारी के तौर पर लम्बा अनुभव रहा है। देखना है, इस फेरभदल के बाद न्यायपालिका के साथ सरकार के संबंध कैसे रहते हैं।

**चंद्रमा व्यक्ति को शीतल
और सौम्य बनाता है**

सनातनी सांस्कृतिक परंपरा में वैदिक ज्योतिष 9 ग्रहों और 27 नक्षत्रों पर आधारित है। कुण्डली बनाते समय चंद्र राशि को ही आधार बनाया जाता है। जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि में स्थित होता है, वह जातकों की चंद्र राशि मानी जाती है। सूर्य के बाद, चंद्रमा नौ ग्रहों में दूसरा ग्रह है। आकार में छोटा होने के बावजूद इस ग्रह की सर्वाधिक तीव्र होती है। चंद्रमा के गोचर की अवधि सबसे कम होती है। यह लगभग सवा दो दिनों में एक राशि से दूसरी राशि में संचरण करता है। चंद्र ग्रह की गति के कारण ही विंशोत्तरी, योगिनी, अष्टोत्तरी दशाएं निर्धारित होती हैं। चंद्रमा पृथ्वी की पूरी परिक्रमा 27.3 दिनों में करता है। 360 अंश की परिक्रमा के दौरान सितारों के 27 समूहों के बीच से होकर गुजरता है। चंद्रमा और सितारों के समूहों के बीच इस तालमेल और संयोग को नक्षत्र कहते हैं। किसी भी व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा सितारों के जिस समूह से होकर गुजर रहा होगा वही उसका जन्म नक्षत्र माना जाएगा। यही जातक के भाग्य की चामी (की) होती है। वैदिक ज्योतिष में चंद्रमा को मन, मस्तिष्क, बुद्धिमत्ता, स्वभाव, माता यात्रा, सुख शांति, धन संपत्ति, बाईं आंख, छाती, रक्त आदि का कारक माना जाता है। ज्योतिष में चंद्र ग्रह को स्त्री ग्रह माना जाता है। यह राशियों में कर्क राशि का और नक्षत्रों में रोहिणी, हस्त और श्रवण नक्षत्र का स्वामी होता है। यह एक शुभ ग्रह है। यह सौम्य और शीतल प्रकृति को धारण करता है। चंद्रमा व्यक्ति की भावनाओं पर नियंत्रण रखता है। चंद्रमा के कमजोर होने पर कुण्डली में राजयोग फलित नहीं हो पाते हैं। ज्योतिष शास्त्र की जानकारी के लिए मेरे साथ बने रहिए।



लेखक विनय कांत मिश्र / दैनिक बुद्ध का संदेश

सोचे, ऐसा कैसे जो लोकल ट्रेन के बेहद गरीब यात्रियों से भी कोविड काल में बढ़ाया गया भाड़ा लगातार वसूला जाता हुआ। एक तरफ हाईफाई वंदे मात्रम ट्रेन का महा महंगा टिकट तो दूसरी और डेली मजूदर पैसेंजरों से भी भारी वसूली! ऐसा पूरे भारत में आवाजाही के हर साधन पर लागू है। छोटे हवाई सर्किट के टिकट तीस-तीस हजार में बिक रहे हैं तो एक्सप्रेस वे, हाईवे पर कार का एकतरफा...

हिंदू लास

हारशकर व्यास
व्यंग में वैसे लिखना चाहिए कि अच्छा
है जो प्रधानमंत्री, वित्त मंत्री और रेल मंत्री
सब संघ—भाजपा के बोट आधार पर खुद
कूल्हाड़ी चला रहे हैं। आखिर उत्तर भारत
के बनिए और व्यापारी ही तो संघ—भाजपा
के पुराने पक्के बोट हैं। सो बहुत अच्छा जो
उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान के
शहर—कस्बों के व्यापारियों—कारोबारियों पर
जीएसटी के इंस्पेक्टर राज के छापे पड़ रहे
हैं। गूगल पर यदि जीएसटी छापे के जुमले
से सर्च की जाए तो प्रदेशों के छोटे—छोटे
कस्बों में इंस्पेक्टर राज का कहर बरपता
जाएगा।

गौर करे इन सुर्खियों पर— जीएसटी के राजस्थान, मध्यप्रदेश में छापे। आर्थिक राज्य गानी इंदौर में बड़ा जीएसटी फॉर्डज. मप्रमें 42 स्थानों पर जीएसटीका सर्वे, बुरहानपुर मेंज कटनी में कोल किंग के ठिकानों पर छापाज् पान मसाला कारेबारियों के टिकानों पर छापा, हड़कंपज् बालाघाट के एक व्यवसायी से 55 लाख की वसूलीज् किशनगढ़ में दीजीतीआर्दका छापाज् जीएसटी

पैरेशन धमाकाय, पटाखाज् रतलाम गहों पर छापाज्मध्य प्रदेश में जीएसटी नेंस ने पकड़ी टैक्स चोरी ज् कॉलोनी र के दफ्तर पर जीएसटी का छापाज् शहर-शहर जीएसटीके छापे, शटर र भाग रहे व्यापारीज्यूपी के कई में जीएसटी विभाग की टीमें छापा ररवाई कर रही हैंज् शामली बाजार एसटी कमिशनर की छापेमारी, नाराज यें ज मेंट कंपनी के ठिकानों पर छापेज् झरु सभी व्यापारियों के यहां नहीं जीएसटी का छापा, जानें किसकी अंचज् जबलपुर में जीएसटीका छापाज् व्यवसायी के ठिकानों पर अजमेर के पड़ाव में जीएसटी टीम ने व्यापारी के ठिकानों परज् रपरुज् रामदूत रोलिंग मिल में एकी का छापाज् नोएडा स्टेट जीएसटी यमारीज् कोरबा और भाटापाराज् नाइट प्रौर शराब दुकानों में मारा छापाज् गढ़वास में सोबाइल की दकान पर जीएसटी टीम का छापाज् कासगंज व्यापारियों ने छापेमारी का किया विरोध व्यापारी से ही जीसटी इकठा होती है औ उसी को नाजायज परेशान किया जात है।ज् आंदोलन की दी चेतावनीज्ञलखनत व्यापार मण्डल की कोर कमेटी की बैठक 16 मई से शुरू होने वाले जीएसटी विशेष अभियान की चर्चा हुई।ज् जीएसट का सर्वे डोर टू डोर ज् सलेमपुर के व्यापारियों ने किया प्रदर्शनज् डिप्टी सीएम केशव प्रसाद ने चेताया, व्यापारियों को परेशान कर वाले अफसर दंडित होंगे। जाहिर है छोटे-छो करखों तक में मोदी सरकार का इंस्पेक्टर राज पहुंचवा हुआ है। नोटबंदी के बाव्यापारी-कारोबारियों (अदानी-अंबानी जैसे के छोड़े) का धंधा वैसे ही अधमरा था। अलगता है सरकार ने ईडी, सीबीआई, आयको की छापेमारीकेमाइक्रों अनुभव में जीएसट को शहर-करखों में वैसे ही पहुंचा दिया जैसे कभी सेल्स टैक्स वालों का इंस्पेक्टर राज था। उस नाते हिसाब लगाए कि मोदी सरकार में नोटबंदी के बाद से व्यापारियों पर कितनी तरह के जनस हुए हैं? वे कितने

न्यायपालिका और सरकार में नहीं कोई मतभेद

लम्बित मामलों पर कार्य करने के तौर—तरीकों को बदलने की जगह बेवजह के विवादित बयानों का सहारा लिया जाएगा तो हालात और ज्यादा खराब ही होंगे। इस बात को लगता है सरकार ने समझाय तभी उन्हें इस पद से हटाया भी गया। इस बदलाव में एक खास बात यह रही कि मेधवाल जिस राज्य राजस्थान से आते हैं वहां इस साल के अंत तक विधानसभा चुनाव होने हैं। राजस्थान में वसुंधरा राजे सिंधिया के नेतृत्व को लेकर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व में मतभिन्नता रही है। मेधवाल को अहम मंत्रालय की जिम्मेदारी देकर पार्टी राज्य में एक संदेश दिया है। चूंकि मेधवाल दलित समुदाय से आते हैं तो निरुल्संदेह राज्य में इस तबके के बोटरों को अपने पक्ष में करने में उन्हें आसानी होगी। बहरहाल, कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार के आखिरी साल में कुछ महत्वपूर्ण विधेयक आ सकते हैं। लिहाजा, ऐसे मंत्री की जरूरत होगी जो सबको साथ मिलाकर चल सके और सरकार के काम को सहजता से पूरा कर सके। मेधवाल इस मामले में सर्वोत्तम रतीय प्रशासनिक अधिकारी के तौर पर लम्बा अनुभव रहा है। यपालिका के साथ सरकार के संबंध कैसे रहते हैं।

नोटवंदी का एक 3०४ और चालुक

यह तो काले धन को सफेद करने का सुनहरा मौका नोटबंदी की शवल में सरकार ने दौलतमंद लोगों के सामने पेश किया है। गरीब आदमी ने किसी तरह जोड़-जाइकर दो-चार नोट भी इसके किए होंगे, तो वो अब इस पूँजी को बैंक में बदलने के लिए परेशान होगा। आम आदमी के लिए कोरोना के बाद से परेशानियां और बढ़ गई हैं, जिनसे बेपरवाह मोदी सरकार ने एक और चाबुक जनता की पीठ पर मारा...

2016 में 8 नवंबर को रात आठ बजे टीवी पर आकर जिस तरह प्रधानमंत्री मोदी ने प्रष्टाचार और काले धन रुपी दीमक को हटाने के लिए नोटबंदी की घोषणा की थी और ये बताया था कि आज रात 12 बजे से पांच सौ और एक हजार के नोट के लीगल टेंडर नहीं माने जाएंगे, उस ऐलान से भारत में भारी उथल-पुथल मच गई थी। आम जनता को जिस तरह बैंकों के आगे लंबी-लंबी लाइनों में दिन-रात खड़े रहना पड़ा था, और अपने ही कमाए पैसे हाथ से चले जाने की जो पीड़ा जनता ने सही थी, उसका कोई सटीक वर्णन कर ही नहीं सकता। नोटबंदी से कितने घर बर्बाद हो गए, पटरी पर चल रहा जीवन एकदम से पथरीते रस्तों पर आ गया। तब मोदीजी ने देशवासियों से 50 दिन का वक्त मांगा था कि सब कुछ ठीक नहीं रहा, तो जिस चौराहे पर बुलाओगे आ जाऊंगा। हालांकि किसी प्रधानमंत्री के मुख से ऐसी भाषा शोभा नहीं देती, मगर राष्ट्रभक्ति में लोगों ने चौराहे वाली भाषा को भी स्वीकार कर लिया। 50 दिन तो लाइनों में ही गुजर गए और उसके बाद रोजगार चले जाने, व्यापार ठप्प हो जाने, जमा-पूंजी के रद्दी हो जाने के गम से उबरने की प्रक्रिया अभी चल ही रही है कि सात साल बाद नोटबंदी का एक और बम सरकार ने फोड़ा है। इस बार पर्दे पर मोदीजी नहीं आए, वे विदेश यात्रा पर हैं। उनकी जगह रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने फैसला सुनाया है कि अब 2 हजार के नोट भी बैंकों में वापस जमा करने होंगे, वो भी 30 सितंबर तक। इसके बाद इन नोटों का क्या होगा, पता नहीं। गौरतलब है कि भारत में 2016 नवंबर से पहले बड़े नोटों में 5 सौ और हजार के नोट प्रचलन में थे। मोदीजी ने हजार के नोट तो पूरी तरह बंद कर दिए और पांच सौ के नोट की शक्ति बदल दी। हजार के बदले 2 हजार के नोट आए और नए पांच सौ के नोट के साथ 2 सौ रुपए का नोट भी लाया गया। मोदीजी ने कालेधान के खात्मे के लिए नोटबंदी को जरूरी बताया था। उनके प्रवक्ताओं ने आतंकवाद, नशीली दवाओं, नक्सलवाद आदि पर रोकथाम के लिए और देश को कैशलेस अर्थव्यवस्था बनाने के लिए नोटबंदी को सही ठहराया था। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, जिन नोटों को अमान्य करार दिया गया था, उनका 99 प्रतिशत से अधिक यानी करीब पूरा पैसा बैंकिंग प्रणाली में वापस आ गया था। 15.41 लाख करोड़ रुपये के जो नोट अमान्य हो गए, उनमें से 15.31 लाख करोड़ रुपये के नोट वापस आ गए थे। तो फिर किस काले धन को पकड़ने की तरकीब नोटबंदी से निकाली गई थी, यह अब तक समझ से परे है। नोटबंदी की कवायद के बाद से कितना कालाधन बरामद हुआ, इस पर अब तक कोई आंकड़ा सरकार की ओर से जारी नहीं किया गया है। हालांकि फरवरी 2019 में तत्कालीन वित्त

Digitized by srujanika@gmail.com

सत्ता जनविरोधी और बुद्धिनाशी

तरह की परेशानियों से गुजरो है? ठिक यहीं स्थिति किसानों की है। कोई कल्पना नहीं कर सकता कि हाल की गँहू फसल में मौसम गडबडी से किसानों को कैसा जबरदस्त नुकसान हुआ है? न ही गांवों में पहले की तरह मनरेगा में काम मिल रहा है। व्यापारी—किसान के बाद शहर—करखों के मध्यवर्ग पर सोचे तो महांगई, बेरोजगारी की बेहाली और बेरोजगार लड़के—लड़कियों की मानसिक दशा अकल्पनीय। मैं इसके

के दिल-दिमाग में टैक्स आंतकवाद का खौफ नहीं बनेगा। सोचे, कार्डहोल्डर का अपने खाते से पेमेंट वह खाता जिसमें टैक्स दे कर उसकी सच्ची बचत, सच्ची इनकम जमा है और उसे वह विदेश में क्रेडिट कार्ड के जरिए खर्च करता है तो उसके वापिस जबरदस्ती टैक्स वसूलने की चालबाजी क्या व्यवस्था का नागरिक से धोखा व छल नहीं है? इस छल के लिए नरेंद्र मोदी व निर्मला सीतारमण का दिमाग जिस्मेवार या रोजीरोटी के लिए लोकल ट्रेन से रोजाना सफर करते हैं।

सोचे, ऐसा कैसे जो लोकल ट्रैन के बेहद गरीब यात्रियों से भी कोविड काल में बढ़ाया गया भाड़ा लगातार वसूला जाता हुआ। एक तरफ हाईफाई वंदे मात्रम ट्रेन का महा महंगा टिकट तो दूसरी और डेर्ली मजूदर पैसेंजरों से भी भारी वसूली! ऐसा पूरे भारत में आवाजाही के हर साधन पर लाग है। छोटे हवाई सर्किट के टिकट

तीस—तीस हजार में बिक रहे हैं तो एक सप्तरेस वे, हाईवे पर कार का एक तरफा सफ 800—1000—1200 रु का टोल बिल बनवाते हैं। सो पहली बात, आम आदमी—व्यापरी—किसान को ध्यान में रखकर काम नहीं।

एमएस धोनी एक खिलाड़ी के लिए मैदान पर अंपायर महेंद्र सिंह धोनी के सामने हार्दिक से भीड़, जिसके बाद चार मिनट तक रुका रहा मैच

इंडियन प्रीमियर लीग 2023 में मंगलवार को गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच व्यालीफायर एक मुकाबला खेला गया। इस मुकाबले में दोनों ही टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार खेल दिखाया। मगर जीत चेन्नई सुपर किंग्स को मिली जिसने 15 रन से गुजरात को मात दी।

इस मुकाबले को जीतने के साथ ही कुल 10 बार फाइनल में पहुंचने वाली चेन्नई सुपर किंग्स पहली टीम बन गई है। बेहद रोमांचक रहे इस मुकाबले में रोचक घायक भी देखने को मिला। इस दौरान चेन्नई सुपर किंग्स के कपाता महेंद्र सिंह एवं धोनी अंपायरों से भिड़ते हुए दिखाई दिए। इस भिड़त की सोशल मीडिया पर जमकर चर्चा की जा रही है।

दरअसल व्यालीफायर 1 मुकाबले के दौरान काफी शानदार रिश्ति पैदा है। इस दिलचस्प रिश्ति के दौरान मैदान पर एमएस



अंपायरों से बहस करते दिखे। करते दिखे। दरअसल मर्थीशा पथिराना का प्रदर्शन: इस मैच पथिराना मैदान से कुछ समय में मर्थीशा पथिराना का प्रदर्शन (लगभग आठ मिनट) के लिए बाहर थे, नियम के अनुसार उन्हें ओवर में 37 रन दिए और दो गेंदबाजी करने से पहले मैदान पर कुछ समय बिताना जरूरी था, जिसके बाद ही वो ओवर फेंक सकते थे। इस दौरान टीम ने कुछ मिनटों का इंतजार किया जिसके बाद एमएस धोनी ने 16 वां ओवर मर्थीशा पथिराना से ही

इस बहस का परिणाम ये हुआ कि मैच चार मिनट तक रुका रहा। इस दौरान महेंद्र सिंह एवं धोनी मैदानी दोनों अंपायरों के साथ बातचीत करते दिखे।

ये था मामला

दरअसल 16वें ओवर से पहले एमएस धोनी मैदानी अंपायरों के पास गए। इस दौरान एमएस धोनी मैदान पर एमएस स्थिति के दौरान मैदान पर एमएस

हालांकि इस दौरान कुल चल मिनट तक मैच रुका रहा। हालांकि धोनी की इस कला की सोशल प्रदर्शन से चेन्नई सुपरकिंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 के पहले व्यालीफायर मुकाबले में मंगलवार को यहां गत चौमियन गुजरात टाइटंस को 15 रन से हराकर पांचवां बार खिताब की तरफ दम बढ़ाया। गायकवाड़ की 44 गेंद 60 रन की पारी के दम पर चेन्नई ने सात विकेट पर 172 रन बनाने के बाद गुजरात टाइटंस की पारी को आखिरी गेंद पर 157 रन पर समेट कर 10वीं बार फाइनल का टिकट कटाया। गुजरात की टीम इस टूर्नामेंट में पहली बार ऑल आउट हुई है। गुजरात की टीम अब दूसरे व्यालीफायर में लखनऊ सुपरजायंट्स और मुंबई इंडियंस के बीच बुधवार को खेलते हुए क्रिकेट इंडियान के बीच बुधवार को खेलते हुए कुल 17 विकेट हासिल कर चुक है। उनके और टीम के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ही टीम 10वीं बार फाइनल में पहुंचने की उपलब्धि

को पहली फाइनलिस्ट टीम मिल गई है। चेन्नई सुपर किंग्स ने 23 मई को खेले गए पहले विकेट झटके। इस पूरे सीजन में मर्थीशा पथिराना 11 मुकाबले खेलते हुए कुल 17 विकेट हासिल कर चुक है। उनके और टीम के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ही टीम 10वीं बार फाइनल में ये पहला मुकाबले के विजेता से भिड़गी।

हासिल कर सकी है। चेन्नई ने दिखाया दमदार खेल: रुतुराज गायकवाड़ की अर्धशतकीय पारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से चेन्नई सुपरकिंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 के पहले व्यालीफायर मुकाबले में मंगलवार को यहां गत चौमियन गुजरात टाइटंस को 15 रन से हराकर पांचवां बार खिताब की तरफ दम बढ़ाया। गायकवाड़ की 44 गेंद 60 रन की पारी के दम पर चेन्नई ने सात विकेट पर 172 रन बनाने के बाद गुजरात टाइटंस की पारी को आखिरी गेंद पर 157 रन पर समेट कर 10वीं बार फाइनल का टिकट कटाया। गुजरात की टीम इस टूर्नामेंट में पहली बार ऑल आउट हुई है। गुजरात की टीम अब दूसरे व्यालीफायर में लखनऊ सुपरजायंट्स और मुंबई इंडियंस के बीच बुधवार को खेलते हुए कुल 17 विकेट हासिल कर चुक है। उनके और टीम के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ही टीम 10वीं बार फाइनल में ये पहला मुकाबले के विजेता से भिड़गी।

को पहली फाइनलिस्ट टीम मिल गई है। चेन्नई सुपर किंग्स ने 23 मई को खेले गए पहले विकेट झटके। इस पूरे सीजन में पहली बार ऑल आउट हुई है। गुजरात की टीम अब दूसरे व्यालीफायर में लखनऊ सुपरजायंट्स और मुंबई इंडियंस के बीच बुधवार को खेलते हुए कुल 17 विकेट हासिल कर चुक है। उनके और टीम के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ही टीम 10वीं बार फाइनल में ये पहला मुकाबले के विजेता से भिड़गी।

वही जिस गेंद पर हार्दिक पांड्या पवेलियन लौटे, उस गेंद पर वो रुम नहीं मिला और हार्दिक सीधे तौर पर गलत टाइटिंग का शिकार हो गए।

इसका ये नतीजा हुआ कि गेंद हवा में उड़ी जिसे राविंद्र जडेजा ने प्लाईट पर आपने आप में पहली बार खिताब की जांयंदस का चेन्नई के चेपॉक रणनीति का जमकर जिक्र हो गया। इसका ये नतीजा हुआ कि गेंद हवा में उड़ी जिसे राविंद्र जडेजा ने प्लाईट पर आपने आप में पहली बार खिताब की जांयंदस का चेन्नई के चेपॉक रणनीति का जमकर जिक्र हो गया।

यही जिस गेंद पर हार्दिक पांड्या पवेलियन लौटे, उस गेंद पर वो रुम नहीं मिला और हार्दिक सीधे तौर पर गलत टाइटिंग का शिकार हो गए।

इसका ये नतीजा हुआ कि गेंद हवा में उड़ी जिसे राविंद्र जडेजा ने प्लाईट पर आपने आप में पहली बार खिताब की जांयंदस का चेन्नई के चेपॉक रणनीति का जमकर जिक्र हो गया।

यही जिस गेंद पर हार्दिक पांड्या पवेलियन लौटे, उस गेंद पर वो रुम नहीं मिला और हार्दिक सीधे तौर पर गलत टाइटिंग का शिकार हो गए।

इसका ये नतीजा हुआ कि गेंद हवा में उड़ी जिसे राविंद्र जडेजा ने प्लाईट पर आपने आप में पहली बार खिताब की जांयंदस का चेन्नई के चेपॉक रणनीति का जमकर जिक्र हो गया।

यही जिस गेंद पर हार्दिक पांड्या पवेलियन लौटे, उस गेंद पर वो रुम नहीं मिला और हार्दिक सीधे तौर पर गलत टाइटिंग का शिकार हो गए।

इसका ये नतीजा हुआ कि गेंद हवा में उड़ी जिसे राविंद्र जडेजा ने प्लाईट पर आपने आप में पहली बार खिताब की जांयंदस का चेन्नई के चेपॉक रणनीति का जमकर जिक्र हो गया।

यही जिस गेंद पर हार्दिक पांड्या पवेलियन लौटे, उस गेंद पर वो रुम नहीं मिला और हार्दिक सीधे तौर पर गलत टाइटिंग का शिकार हो गए।

इसका ये नतीजा हुआ कि गेंद हवा में उड़ी जिसे राविंद्र जडेजा ने प्लाईट पर आपने आप में पहली बार खिताब की जांयंदस का चेन्नई के चेपॉक रणनीति का जमकर जिक्र हो गया।

यही जिस गेंद पर हार्दिक पांड्या पवेलियन लौटे, उस गेंद पर वो रुम नहीं मिला और हार्दिक सीधे तौर पर गलत टाइटिंग का शिकार हो गए।

इसका ये नतीजा हुआ कि गेंद हवा में उड़ी जिसे राविंद्र जडेजा ने प्लाईट पर आपने आप में पहली बार खिताब की जांयंदस का चेन्नई के चेपॉक रणनीति का जमकर जिक्र हो गया।

यही जिस गेंद पर हार्दिक पांड्या पवेलियन लौटे, उस गेंद पर वो रुम नहीं मिला और हार्दिक सीधे तौर पर गलत टाइटिंग का शिकार हो गए।

इसका ये नतीजा हुआ कि गेंद हवा में उड़ी जिसे राविंद्र जडेजा ने प्लाईट पर आपने आप में पहली बार खिताब की जांयंदस का चेन्नई के चेपॉक रणनीति का जमकर जिक्र हो गया।

यही जिस गेंद पर हार्दिक पांड्या पवेलियन लौटे, उस गेंद पर वो रुम नहीं मिला और हार्दिक सीधे तौर पर गलत टाइटिंग का शिकार हो गए।

इसका ये नतीजा हुआ कि गेंद हवा में उड़ी जिसे राविंद्र जडेजा ने प्लाईट पर आपने आप में पहली बार खिताब की जांयंदस का चेन्नई के चेपॉक रणनीति का जमकर जिक्र हो गया।

यही जिस गेंद पर हार्दिक पांड्या पवेलियन लौटे, उस गेंद पर वो रुम नहीं मिला और हार्दिक सीधे तौर पर गलत टाइटिंग का शिकार हो गए।

इसका ये नतीजा हुआ कि गेंद हवा में उड़ी जिसे राविंद्र जडेजा ने प्लाईट पर आपने आप में पहली बार खिताब की जांयंदस का चेन्नई के चेपॉक रणनीति का जमकर जिक्र हो गया।

यही जिस गेंद पर हार्दिक पांड्या पवेलियन लौटे, उस गेंद पर वो रुम नहीं मिला और हार्दिक सीधे तौर पर गलत टाइटिंग का शिकार हो गए।

इसका ये नतीजा हुआ कि गेंद हवा में उड़ी जिसे राविंद्र जडेजा ने प्लाईट पर आपने आप में पहली बार खिताब की जांयंदस का चेन्नई के चेपॉक रणनीति का जमकर जिक्र हो गया।

यही जिस गेंद पर हार्दिक पांड्या पवेलियन लौटे, उस गेंद पर वो रुम नहीं मिला और हार्दिक सीधे तौर पर गलत टाइटिंग का शिकार हो गए।

इसका ये नतीजा हुआ कि गेंद हवा में उड़ी जिसे राविंद्र जडेजा ने प्लाईट पर आपने आप में पहली बार खिताब की जांयंदस का चेन्नई के चेपॉक रणनीति का जमकर जिक्र हो गया।

